हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, मंगलवार 7 जुलाई 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

13 जिला कांग्रेस की बैठक में संगठन विस्तार ...

14 श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा ने ...

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरूपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.c. NURSING & M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482 81030 45003
Website : ssscn.ac.in

मौसम

चार दिनों की बारिश से ग्राम बैजी का संपर्क टूटा, एनीकट डूबने से आवागमन पूरी तरह बंद

हर बरसात में 10 से 15 दिन तक कट जाता है गांव, ग्रामीणों ने स्थायी पुल निर्माण की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश ने ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित कर दिया है। विकासखंड के ग्राम बैजी का बाहरी दुनिया से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। गांव तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता एनीकट तेज बहाव के कारण पानी में डूब गया है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ-साथ जरूरी सेवाओं के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है। एनीकट के ऊपर पानी भर जाने से गांव का संपर्क 10 से 15 दिनों तक पूरी तरह कट जाता है। इस दौरान लोग आवश्यक सामान, दवाइयां और अन्य जरूरी वस्तुएं नहीं ला पाते। कई बार मजबूरी में ग्रामीण जान जोखिम में डालकर उफनते पानी के बीच एनीकट पार करने को विवश हो जाते हैं। बारिश के दौरान सबसे अधिक परेशानी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर होती है। किसी के बीमार होने पर उसे अस्पताल तक पहुंचाना बेहद मुश्किल हो जाता है, क्योंकि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती। इससे मरीजों और उनके परिजनों की चिंता बढ़ जाती है। वहीं राशन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से एनीकट के स्थान पर स्थायी पुल या वैकल्पिक सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हर बरसात में गांव का संपर्क टूट जाना यहां के लोगों के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शीघ्र स्थायी पुल का निर्माण कराने तथा सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि हर वर्ष बारिश के मौसम में होने वाली इस परेशानी से स्थायी राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

एसडीएम ने संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

साजा। लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर एसडीएम पिंकी मनहर ने सोमवार को संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम रौंदा, बगलेडी, खामडीह सहित कई गांवों का दौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार विनोद बंजारे भी मौजूद रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसीलदार विनोद बंजारे ने बताया कि फिलहाल सभी क्षेत्रों की स्थिति सामान्य है, लेकिन लगातार हो रही बारिश को देखते हुए संभावित बाढ़ प्रभावित गांवों की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

बिच्छू के डंक मरने से युवक की मौत

साजा। ग्राम सोमई खुर्द में खेत जाने के दौरान बिच्छू के डंक से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनू वर्मा (30 वर्ष), पिता ईश्वरी वर्मा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार खेत जाते समय बिच्छू के डंक मारने के बाद युवक की तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने की 1.11 करोड़ की ठगी

भिलाई। ऋण किस्त और लोन क्लोजर का झांसा देकर सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने 267 महिलाओं के साथ ठगी किया। शिकायत के बाद पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि अशोक कुमार वर्मा की संस्था सेव फाइनेंशियल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड का सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के साथ अनुबंध है। जो महिलाओं को ऋण दिलाता है। ऑडिट के दौरान धमधा शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक एवं कर्मियों द्वारा ग्राहकों से मिले ऋण राशि, किस्त, लोन क्लोजर की राशि कंपनी में जमा नहीं करने की जानकारी मिली।

लगातार बारिश से जिला बेहाल, बिजली व्यवस्था चरमराई

बेमेतरा। जिले में तीन जुलाई से शुरू हुई लगातार बारिश का सिलसिला सोमवार को चौथे दिन भी रिमझिम फुहारों के साथ जारी रहा। लगातार हो रही वर्षा से पूरा जिला पानी-पानी हो गया है। नदी-नाले उफान पर हैं, खेत-खलिहान लबालब भर चुके हैं और जनजीवन व्यापक रूप से प्रभावित हुआ है। सबसे अधिक असर विद्युत व्यवस्था पर पड़ा है। तेज बारिश और जलभराव के कारण जिले के कई हिस्सों में बिजली के पोल टूटकर गिर गए हैं, जबकि अनेक स्थानों पर तेज बहाव से पोल झुक गए हैं, जिससे उनके कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है। बारिश के कारण बेमेतरा, नवागढ़, बेरला, साजा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कई गांवों की विद्युत आपूर्ति पिछले तीन से चार दिनों से बाधित है। लगातार बिजली नहीं मिलने से लोगों को पेयजल, मोबाइल चार्जिंग तथा अन्य दैनिक कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी विषम परिस्थितियों के बीच बिजली आपूर्ति बहाल करने में लगातार जुटे हुए हैं। जलभराव और तेज बहाव के बावजूद विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त पोल और तारों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। ग्राम तैलाईकूड़ा के बीच खार क्षेत्र में तेज पानी के बहाव से एक बिजली पोल टेढ़ा हो गया, जिसे सीधा करने के लिए विभागीय कर्मचारियों को घंटों मशक्कत करनी पड़ी। विपरीत परिस्थितियों में भी कर्मचारी बिजली व्यवस्था सामान्य करने का प्रयास करते दिखाई दिए। मौसम ▶▶| शेष पेज 12 पर

लगातार बारिश से खेतों में जलभराव, धान का बीज सड़ने का खतरा बढ़ा

■ दोबारा बोनी की आशंका से किसान चिंतित, जल निकासी में जुटे, 48 घंटे का येलो अलर्ट जारी

थान खम्हरिया। आषाढ़ माह में पिछले तीन दिनों से रुक- रुककर हो रही झमाझम बारिश ने थान खम्हरिया अंचल के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र के अधिकांश खेतों में पानी लबालब भर गया है, जिससे धान की नर्सरी और सीधी बोनी वाले खेतों में बीज सड़ने का खतरा मंडराने लगा है। किसान दिन-रात खेतों से पानी निकालने में जुटे हैं, लेकिन मौसम विभाग द्वारा अगले 48 घंटे तक और बारिश की संभावना जताए जाने से उनकी चिंता और बढ़ गई है। तहसील क्षेत्र में खरीफ सीजन की बोनी लगभग पूरी हो चुकी है। ऐसे में यदि खेतों में भरा पानी जल्द नहीं निकला तो धान के बीज खराब हो सकते हैं और किसानों को दोबारा बोनी करनी पड़ सकती है। इससे अतिरिक्त खर्च के साथ समय की भी हानि होगी तथा उत्पादन घटने की आशंका रहेगी। लगातार बारिश का असर सामान्य जनजीवन पर भी दिखाई दे रहा है। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा, जबकि सड़क मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ। यात्री बसें भी समय पर नहीं चल सकीं। क्षेत्र के किसान रामकुमार सिन्हा, बसंत सिन्हा, राजेश साहू, लीलाधर चंद्राकर, ढाल सिंह, जीवन साहू, अरेण साहू, अशोक साहू, अजय शर्मा, कामता साहू और संतोष साहू ने बताया कि बोनी हुए अभी चार-पांच दिन ही हुए हैं। अंकुरण से पहले ही खेतों में जलभराव होने से बीज सड़ने की आशंका बढ़ गई है। उनका कहना है कि यदि बारिश नहीं थमी तो दोबारा बोनी की नौबत आ सकती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान का बीज अंकुरण के बाद 72 घंटे से अधिक समय तक पानी ▶▶| शेष पेज 12 पर

दोबारा बोनी सबसे बड़ी चिंता

किसानों का कहना है कि यदि वर्तमान फसल खराब हुई तो दोबारा धान की बोनी करनी पड़ेगी। जुलाई का दूसरा सप्ताह शुरू होने से देर से बोई गई फसल की उपज 30 से 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है। वहीं मक्का, अरहर, तिल और सोयाबीन जैसी वैकल्पिक फसलों की बोनी का समय भी लगभग निकल चुका है। सहकारी समितियों में धान बीज का स्टॉक समाप्त हो गया है, जबकि निजी दुकानों में सीमित मात्रा में उपलब्ध बीज ऊंचे दामों पर मिल रहा है। फिलहाल थान खम्हरिया अंचल के किसानों की निगाहें मौसम और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। किसानों की एक ही प्रार्थना है कि अगले दो-तीन दिन धूप निकल जाए, ताकि खेतों का पानी सूख सके और खरीफ की फसल को बचाया जा सके।

बारिश में जर्जर स्कूलों के ढहने की आशंका, पालकों ने की अवकाश की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी भवनों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जिला मुख्यालय स्थित बिजली विभाग कार्यालय के पास संचालित शासकीय नवीन शाला का जर्जर भवन बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

भवन की दीवारों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं, जबकि छत का प्लास्टर लगातार झड़ रहा है। इसके बावजूद छात्र-छात्राएं इसी भवन में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। बरसात के कारण भवन की स्थिति और अधिक खराब हो गई है। किसी भी समय छत या दीवार का हिस्सा गिरने जैसी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद न तो भवन को अनुपयोगी घोषित किया गया है और न ही बच्चों के लिए किसी वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की गई है। इससे अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जर्जर भवन की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों और शिक्षा विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शिक्षा विभाग एक ओर बेहतर शिक्षा और सुरक्षित विद्यालयों के दावे करता है, वहीं जिला मुख्यालय में ही बच्चे जोखिम भरे भवन में पढ़ाई करने को विवश हैं।

इधर जिले में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण अनेक स्कूल परिसरों और आंगनबाड़ी केंद्रों में जलभराव की स्थिति बन गई है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल भवन पहले से ही जर्जर हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि लगातार हो रही बारिश और भवनों की खराब स्थिति को देखते हुए एहतियात के तौर पर कम से कम दो दिनों के लिए स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती गई और कोई अप्रिय घटना हुई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी। साथ ही उन्होंने जर्जर भवनों को तत्काल बंद कर सुरक्षित स्थानों पर कक्षाएं संचालित करने तथा नए भवनों के शीघ्र निर्माण की भी मांग की है, ताकि बच्चों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके।

बालोद में हमला : पांच युवक नेवई से गिरफ्तार

भिलाई। बालोद जिले में बेटी से बात करने से मना करने पर युवकों ने मिलकर साथियों के साथ पिता पर प्राणघातक हमला करने के मामले में बालोद पुलिस ने नेवई थाना क्षेत्र के 5 युवकों को गिरफ्तार कर ले गई। देवरी थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया कि 30 जून रात बालोद जिले के पिनकापार चौकी क्षेत्र के ग्राम संबलपुर में पहुंचकर नेवई निवासी भानु प्रताप जैन, नीरज रस्तोगी, तुषार निर्मलकर, दिनेश ढीमर,कुंदन यादव और बालोद निवासी दीपेश पटेल ने गौकरण साहू के सिर पर हमला कर दिया। गौकरण ने साल भर पहले भानूप्रताप जैन को बेटी से दूर रहने की सलाह दिया था। इसके अलावा भानू के माता पिता को बुलाकर फटकार भी लगाई थी। इसी बात को लेकर भानू रंजिश रखा हुआ था। मौका मिलते ही साथियों के साथ मिलकर घर में घुसकर गौकरण पर हमला कर दिया।

HCC Hearing Care Center IS NOW हिअरज़ॅप®
49 YEARS OF TRUST | 180+ EXPERIENCE CENTRES PAN INDIA
निःशुल्क बहरापन जांच एवं परामर्श शिविर
दिनांक: 7 जुलाई से 11 जुलाई
समय: मंगलवार से शनिवार
(प्रातः 11:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक)

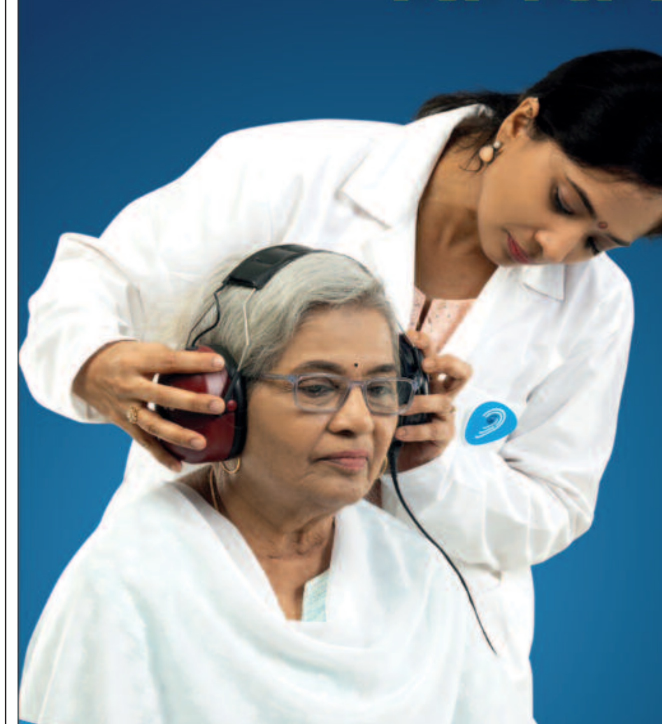

▶ श्रवण यंत्र पर भारी छूट
▶ कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श)
▶ स्पीच थेरेपी
PHILIPS Authorized dealer
9109 105 857 | 9659 455 455
भिलाई: शॉप नंबर. 107-108, इथीराज टावर्स, जी.ई. रोड, सुपेला, भिलाई, छत्तीसगढ़ (490023)
छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र | कर्नाटक | केरळ | तामिळनाडू | आंध्र प्रदेश | तेलंगाणा | पश्चिम बंगाल | बिहार | झारखंड

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass) • C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

जयंती पर पशुवध एवं मांस बिक्री निषिद्ध

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गोपाल वर्मा ने कबीरधाम जिले में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 04 सितंबर को श्री कृष्ण जनमाष्टमी, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 22 सितंबर को ढोल ग्यारस, 25 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी, 02 अक्टूबर को गांधी जयंती, 08 नवंबर को भगवान महावीर निर्वाण दिवस और 18 दिसंबर को गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर पशुवध गृह एवं मांस बिक्री केन्द्रों को बंद रखने आदेशित किया है। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय निकाय विभाग मंत्रालय रायपुर के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, ढोल ग्यारस, अनन्त चतुर्दशी, गांधी जयंती, भगवान महावीर निर्वाण दिवस एवं गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर पशुवध गृह एवं मांस बिक्री केन्द्रों को बंद रखने आदेश जारी किया है।

प्रवेश परीक्षा का परिणाम किया गया जारी

कवर्धा। । मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, कबीरधाम से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई 2026 को किया गया था। परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर परीक्षा परिणाम कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, कबीरधाम के कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है। यदि किसी विद्यार्थी अथवा अभिभावक को परीक्षा परिणाम के संबंध में किसी प्रकार की दावा-आपत्ति प्रस्तुत करनी हो, तो वे 09 जुलाई 2026 तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, कबीरधाम में लिखित रूप से अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिले में 135.7 मिमी की गई दर्ज

कवर्धा। कबीरधाम जिले में एक जून से आज तक 135.7 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कवर्धा तहसील में 137.6 मिलीमीटर, पंडरिया तहसील में 81.8 मिलीमीटर, बोड़ला तहसील में 147.2 मिलीमीटर, सहसपुर लोहारा तहसील में 119.2 मिलीमीटर, रेंगाखार तहसील में 73.0 मिलीमीटर, कुण्डा तहसील में 77.7 मिलीमीटर, पिपरिया तहसील में 291.6 मिलीमीटर और कुकदूर तहसील में 157.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 06 जुलाई की स्थिति में पिछले चौबीस घंटे में जिले में 38.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है, कवर्धा तहसील में 25.0 मिलीमीटर, पंडरिया तहसील में 19.3 मिलीमीटर, बोड़ला तहसील में 41.4 मिलीमीटर, सहसपुर लोहारा तहसील में 33.0 मिलीमीटर, रेंगाखार तहसील में 25.0 मिलीमीटर, कुण्डा तहसील में 40.9 मिलीमीटर, पिपरिया तहसील में 88.8 मिलीमीटर और कुकदूर तहसील में 33.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

कवर्धा। कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा प्रदत्त डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए वर्ष 2026 के लिए कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक कृषक 31 जुलाई 2026 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उप संचालक कृषि कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र उप संचालक कृषि कार्यालय तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित कार्यालय में अंतिम तिथि तक जमा किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ अधिकतम दो पृष्ठों की सफलता की कहानी तथा संबंधित छायाचित्र एवं वीडियो की सीडी संलग्न करना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

समस्याः वनांचल क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बीते चार दिनों से ब्लैकआउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के विकासखंड पंडरिया अंतर्गत बैगा आदिवासी बाहुल्य वनांचल ग्रामों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बीते चार दिनों से ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है। इससे प्रभावित गांवों के ग्रामीणों को न केवल भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उनका दैनिक कामकाज भी प्रभावित हो गया है।

इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों में विद्युत विभाग के साथ-साथ शासन, प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश और नाराजगी देखी जा रही है। बताया जाता है कि विकासखंड पंडरिया के कुई विद्युत सब-स्टेशन अंतर्गत आने वाले ग्राम दमगढ़, नेउर, कुशयारी, बासा टोला, बदना, कौआनार, घोघरा, अमनिया, अमली टोला, आमा टोला, बांगर, रहीदाढ़, बाहपानी, धूड़सी, सेमराटोला सहित दर्जनों गांवों में बीते चार दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है।

इससे पूरे क्षेत्र में ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कभी अमेरा फीडर से तो कभी कुई सब-स्टेशन से बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, जिससे क्षेत्र का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

आलम यह है कि लगातार हो रही बारिश के बीच वनवासियों को जंगली जानवरों, जहरीले कीड़े-मकोड़ों तथा अन्य संभावित खतरों के बीच चिमनी और मोमबत्ती के सहारे रात गुजारनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुई सब-स्टेशन अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में वर्षाकाल के दौरान सुचारू एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के नाम पर घंटों बिजली बंद रखकर मेंटेनेंस कार्य किया गया था। उस समय लोगों को उम्मीद थी कि बारिश के मौसम में बिजली आपूर्ति की समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि कथित मेंटेनेंस कार्य के बावजूद क्षेत्र के कई गांवों में पिछले चार दिनों से लगातार ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है। इसके बावजूद विभाग इस समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहा है, जिससे ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है।

ब्लैक आऊट से शिक्षक भी परेशान

वनांचल क्षेत्र में ब्लैक आऊट होने का खामियाजा क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ सरकारी स्कूलों में पदस्थ शिक्षक भी भुगत रहे हैं। बताया जा रहा है कि बिजली के आभाव में शिक्षकों का ऑनलाइन कार्य नहीं हो पा रहा है। इसी प्रकार बिजली से जुड़े दुकानदारों का कामकाज भी ठप पड़ गया। च्वाईस सेंटर बंद होने से ग्रामीणों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिजली नहीं होने के कारण कई ग्रामों में पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो रही है। कुल मिलाकर बिजली के आभाव में इन दिनों कुई विद्युत सब स्टेशन अंतर्गत आने वाले कई ग्रामों के ग्रामीणों का जनजीवन अस्त व्यवस्त हो गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी अपने उपभोक्ताओं की समस्याओं से बेपरवाह

हद तो ये है कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, प्रदेश की उत्कृष्ट विधायक और क्षेत्र के वरिष्ठ सांसद के गृह जिले के विद्युत विभाग को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि दर्जनो ग्रामों में बीते चार दिनो से बिजली आपूर्ति ठप है और लोग आदिम जीवन जीने मजबूर हो गए है। इस स्थिति में यही लगता है कि विद्युत विभाग पूरी तरह से बेलगाम हो चुका है। जिस पर शासन, प्रशासन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का कोई नियंत्रण नहीं है।

समस्या: कई गांवों में जलभराव, ग्रामीण सड़कों पर आवागमन बाधित

तीन दिनों से कवर्धा सहित अंचल में लगातार बारिश, बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

कवर्धा सहित जिलेभर में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने जहां किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी है, वहीं दूसरी ओर कई गांवों में जलभराव, सड़कें कीचड़ से लथपथ होने और आवागमन बाधित होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगी हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के कई नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम नेवारी में रविवार रात से सोमवार पूरे दिन तक लगातार बारिश होने से बस्ती के साथ-साथ कई घरों में भी पानी घुस गया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से नाली निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं बनाई गई। इसके कारण हर वर्ष बरसात में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लगातार बारिश के चलते जिले के ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों की खस्ताहाल सड़कों पर आवागमन प्रभावित हो गया है। जिन गांवों तक पक्के पहुंच मार्ग नहीं हैं, वहां रास्ते पूरी तरह कीचड़ से भर गए हैं। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले ग्रामीणों को काफी कठिनाई उठानी पड़ रही है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार समय पर हुई अच्छी बारिश धान की रोपाई और अन्य खरीफ फसलों के लिए लाभदायक मानी जा रही है। जिले के अधिकांश किसान इस बारिश को खेती के लिए शुभ संकेत मान रहे हैं। हालांकि निचले इलाकों में जलभराव बढ़ने से फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है।

नेवारी के घरों तक पहुंचा पानी

जिला मुख्यालय कवर्धा से लगे ग्राम नेवारी में लगातार बारिश के कारण बस्ती के कई हिस्सों में पानी भर गया। कुछ घरों में भी पानी घुसने से लोगों को घरेलू सामान सुरक्षित स्थानों पर रखना पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नालियों के अभाव में हर वर्ष यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। जबकि वे शासन-प्रशासन, ग्राम पंचायत तथा क्षेत्रीय औहदेदार जनप्रतिनिधियों से लगातार व्यवस्था दुरूस्त कराए जाने की मांग करते आ रहे हैं।

कच्ची सड़कें कीचड़ से लथपथ

जिले के वनांचल और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मार्गों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। भारी बारिश के चलते कई रास्ते फिसलन भरे हो गए हैं। जिन गांवों तक पक्की सड़कें नहीं पहुंची हैं, वहां ग्रामीणों को आवागमन के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतर्क रहने तथा अनावश्यक रूप से जलमग्न मार्गों से गुजरने से बचने की अपील की है।

26 पौवा देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

स. लोहारा थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 25 पौवा देशी शराब तथा शराब तस्करी में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त की है। आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स. लोहारा पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि शांतिनगर स.लोहारा में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से अवैध धन अर्जित करने की नियत से शराब रखकर मोटर सायकल मे परिवहन कर रहा है। इस सूचना पर रेड कार्यवाही कर स. लोहारा पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी मंथीर सोनवानी पिता मोहन सोनवानी आयु 35 वर्ष निवासी ढोढमा नवापारा थाना स. लोहारा जिला कबीरधाम को दबोचकर उसके कब्जे से सफेद रंग प्लास्टिक थैला में 25 पौवा देशी मंदिरा प्लेन शराब शोले कंपनी का कुल 4.500 बल्क लीटर किमती 2000 रूपए की शराब तथा नगदी 500 रूपए और शराब तस्करी में प्रयुक्त एक नग फैशन प्रो मोटर सायकल क्रमांक सीजी 09-जेसी-3032 किमती 20000 रूपए कुल जुमला किमती 22500 रूपए को जप्त किया गया।

आरोपी का कृत्य धारा 34(1) ख आबकारी एक्ट का पाए जाने पर थाना स. लोहारा मे अपराध क्रमांक 91/26 धारा 34(1) ख आबकारी एक्ट तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी के विरूध्द वैधानिक कार्यवाही कर आरोपीयों को गिरफ्तार कर मामला जमनतीय होने से सक्षम जमानतदार पेश करने पर जमानत मुचलका पर रिहा किया गया।

कवर्धा नगर के 213 हितग्राहियों ने कराया पट्टा के लिए पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद कवर्धा के संयुक्त तत्वाधान में आवासहीन परिवारों को पट्टा प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज पंजीकरण किए जाने के लिए वीर सावरकर भवन एवं ठाकुर पारा स्थित सामुदायिक भवन में शिविर का आयोजन किया गया है।

शिविर में पहुंचकर 213 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन कराया। सभी हितग्राहियों को शासन द्वारा चाही गई आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत करने को कहा एवं दिनांक 09 जुलाई से डोर-टू-डोर जाकर लोगों के दस्तावेज का सत्यापन कर शासन की योजना का लाभ दिलाया जायेगा।

नगर पालिका क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्ति को पट्टाधृति अधिकार नियम, 2023 के तहत पात्र परिवारों को शासकीय भूमि का निःशुल्क पट्टा 30 वर्षों के लिए प्रदान किया जाना है। आवासहीन एवं पात्र हितग्राहियों को शासन की योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य यह शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में लोगों ने बढ़चढकर हिस्सा लिया।

दिनांक 09 जुलाई से 10 अगस्त तक नगर पालिका क्षेत्र में प्रस्तावित पट्टा सर्वे अभियान में सर्वे कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराया जायेगा। शासन की मंशा के अनुरूप पात्र एवं आवासहीन परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लोहारा में विखं स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन, विधायक ने बांटी शैक्षणिक सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ स. लोहारा

विकासखंड सहसपुर लोहारा स्थित अंबेडकर भवन में सोमवार को विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंडरिया विधायक भावना बोहरा शामिल हुईं।

उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं अध्ययन सामग्री वितरित कर आत्मीय स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भावना बोहरा ने कहा कि बच्चों के चेहरे की मुस्कान ही हमारे उज्ज्वल कल की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और उसे अपने सपनों को साकार करने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखने का अभियान है। इसके माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास का संचार होता है। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्हें तिलक लगाकर मिठाई खिलाई गई तथा अध्ययन सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन एवं अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा सिंह, नगर पंचायत सहसपुर लोहारा की अध्यक्ष श्रीमती सरिता मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे, जनपद उपाध्यक्ष अशोक पटेल, विधायक प्रतिनिधि संजय साहू, मनोज वैष्णव, लोहारा मंडल अध्यक्ष लाला साहू, धरमपाल कौशिक सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कटाव से पुल की नींव कमजोर, पंचायत कर रही मलबा डालकर खानापूर्ति

चिल्फी का पुल जर्जर, संपर्क टूटने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चिल्फीघाटी

लगातार हो रही बारिश ने चिल्फी ग्राम पंचायत के वार्ड क्रमांक 17 और 18 को जोड़ने वाले एकमात्र पुल की स्थिति गंभीर बना दी है। पुल के दोनों ओर तेज कटाव होने से उसकी नींव कमजोर पड़ने लगी है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों ने पंचायत पर तकनीकी मरम्मत कराने के बजाय पुराने भवन के टूटे ईंट-पत्थर और मलबा डालकर केवल खानापूर्ति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जिला प्रशासन से पुल का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कर स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार चिल्फी, लोहारा टोला सहित आसपास के गांवों के लोगों के लिए यही पुल आवागमन का मुख्य मार्ग है। प्रतिदिन छात्र-छात्राएं, किसान, मजदूर और अन्य ग्रामीण इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं। लगातार बारिश के कारण पुल के दोनों किनारों की मिट्टी बह गई है, जिससे सड़क के नीचे खाली जगह बन गई है। इसके चलते भारी वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल की मरम्मत की मांग को लेकर कई बार ग्राम पंचायत को अवगत कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया गया।

उनका आरोप है कि तकनीकी मरम्मत के बजाय पुराने भवन का मलबा डालकर औपचारिकता पूरी कर दी गई। बारिश के तेज बहाव में वह मलबा भी बहने लगा है और पुल के आसपास कटाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश जारी रही तो पुल का एक हिस्सा धंस सकता है। ऐसी स्थिति में वार्ड क्रमांक 17 और 18 के बीच संपर्क पूरी तरह टूट जाएगा और लोगों को कई किलोमीटर लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ेगा।

आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने एक रास्ता

ग्रामीणों ने बताया कि इसी पुल से होकर बच्चे स्कूल जाते हैं, मरीज स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते हैं और किसान अपनी उपज लेकर बाजार आते-जाते हैं। पुल के और क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में सबसे अधिक परेशानी विद्यार्थियों, मरीजों और किसानों को उठानी पड़ेगी। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में भी आवागमन प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

तकनीकी निरीक्षण और नए पुल निर्माण की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत से पुल का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराकर स्थायी मरम्मत कराने तथा नए पुल का निर्माण शीघ्र शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में चिल्फी सरपंच जागेश दास मानिकपुरी ने बताया कि नए पुल के निर्माण के लिए जिला पंचायत स्तर पर प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि मौसम साफ होने के बाद पुल की आवश्यक मरम्मत कराई जाएगी।

युवाओं ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

कवर्धा। पंडरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत खम्हरिया में मेरा युवा भारत कवर्धा के युवाओं द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत खम्हरिया नरेंद्र निर्मलकर शामिल हुए। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी राज पटेल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी युवाओं एवं ग्रामवासियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्रसेवा, शिक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के प्रति योगदान को स्मरण किया।

पेज 11 के शेष

लगातार बारिश से जिला ...

विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों तक वर्षा जारी रहने की संभावना जताई गई है। ऐसे में विद्युत विभाग की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि लगातार बारिश से पहले से कमजोर पड़े पोलों और लाइनों को अतिरिक्त नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से उखड़े या झुके बिजली पोल तथा टूटे हुए तारों से दूर रहने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को देने की अपील की है।

लगातार बारिश से खेतों ...

में डूबा रहने पर सड़ने लगता है। जिन खेतों में पानी की निकासी नहीं हो पा रही है, वहां 60 से 70 प्रतिशत तक पौधे खराब होने की संभावना है। किसानों को तत्काल नालियां बनाकर पानी की निकासी करने तथा आवश्यकता पड़ने पर बीज उपचार एवं फफूंदनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी गई है। इधर, मौसम विभाग ने जिले में अगले 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहते हुए स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

मदद के बहाने लूटपाट जुर्म दर्ज

भिलाई। मदद के बहाने एक्टिवा सवार अज्ञात युवकों ने मारपीट कर लूटपाट कर मौके से फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि डेजी 392 तालपुरी ब्लाक बी भिलाई निवासी सूर्यंश सिंह कार वाशिंग का शॉप चलाता है। 3 जुलाई को सिविक सेंटर से अपनी स्कूटी सी.जी. 07 बी.डब्लू. 8103 में आया था। वापस अपने घर जाने के लिये निकला तभी सेक्टर 10 सडक 47 भिलाई के पास पहुंचा ते ही स्लीप होकर गिर गया। तभी दो अज्ञात एक्टीवा सवार युवक पहुंचे मदद के बहाने पीड़ित को हाथ मुक्का लात से मारपीट किया। उसके पास रखे तीन मोबाईल, घडी, सोने की चैन,नगदी रकम 1500 रूपये लुटकर फरार हो गए। आसपास खोजबीन करने के बाद युवकों की कोई जानकारी नहीं मिलने पर शिकायत पुलिस से किया। मामले में पुलिस जांच में जुटी हुई है। घटनाव को अंजाम देने वाले युवकों की उम्र करीब 25-27 बताई जा रही है। घटनास्थल के पास लगे सीसी कैमरों को पुलिस खंगाल रही है।

राजीव चौक में अधूरी सोलर लाइट योजना पर फूटा व्यापारियों का गुस्सा

पाटन। पाटन नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 3 स्थित राजीव चौक पुरानी हटरी में अधूरी पड़ी सोलर स्ट्रीट लाइट योजना अब संबंधित अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। करीब चार महीने पहले बड़े दावों के साथ सोलर लाइट लगाने के लिए खंभा तो खड़ा कर दिया गया, लेकिन इसके बाद काम पूरी तरह ठप हो गया। नतीजा यह है कि नगर का सबसे व्यस्त बाजार क्षेत्र आज भी रात होते ही अंधेरे में डूब जाता है। स्थानीय व्यापारियों और सब्जी विक्रेताओं का आरोप है कि कई बार शिकायत और मांग करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे, लेकिन धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों की उदासीनता का खामियाजा रोजाना व्यापारियों और आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। अंधेरे के कारण ग्राहकों की संख्या प्रभावित हो रही है, वहीं चोरी और अन्य अप्रिय घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

बैठक : नकटी में 85 मकान तोड़े जाने की घटना की निंदा

जिला कांग्रेस की बैठक में संगठन विस्तार और जनहित के मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- खाद-बीज संकट, बिजली कटौती और बढ़े बिलों को लेकर सरकार को घेरा

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, किसानों एवं आम जनता से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष तेज करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से लौटने पर ब्लॉक अध्यक्षों एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों ने शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे एवं पूर्व विधायक गुरुदयाल बंजारे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। बैठक में प्रशिक्षण शिविर में मिले निर्देशों एवं अनुभवों को साझा करते हुए संगठन को गांव-गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान में तेजी लाने तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस किसानों के हर मुद्दे पर मजबूती से खड़ी रहेगी और जनहित के सवालों पर चरणबद्ध आंदोलन करेगी। बैठक में ग्राम नकटी में 85 मकानों को तोड़े जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्य सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। खरीफ सीजन में खाद एवं बीज की कमी, अघोषित बिजली कटौती तथा बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर भी सरकार को घेरते हुए इन मुद्दों पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी।

जिला अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने ब्लॉक, मंडल एवं बूथ कांग्रेस कमेटियों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए नियमित बैठकें आयोजित करने, संगठन विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेगा। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केज व्हील लगे ट्रैक्टरों का सड़क पर संचालन प्रतिबंधित, उल्लंघन करने पर होगी चालानी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के समस्त कृषकों एवं ट्रैक्टर संचालकों को सूचित किया जाता है कि खेतों में मिट्टी पलटने एवं जुताई कार्य के लिए उपयोग किए जाने वाले लोहे के केज व्हील (पिंजरा पहिया) लगे ट्रैक्टरों का सार्वजनिक सड़कों एवं सीमेंट रोड पर संचालन प्रतिबंधित है। यदि ऐसे ट्रैक्टर सड़क पर चलते हुए पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ शासन, परिवहन विभाग द्वारा इस संबंध में सभी जिला परिवहन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशानुसार ऐसे ट्रैक्टरों को सार्वजनिक सड़कों पर संचालित होने से रोकने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय, बिलासपुर में दायर एक जनहित याचिका के परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया है। याचिका में उल्लेख किया गया था कि कृषि कार्यों के लिए निर्मित ट्रैक्टरों में लगाए जाने वाले केज व्हील (लोहेनुमा पिंजरा पहिए) का उपयोग खेतों तक सीमित होना चाहिए, किंतु कई स्थानों पर इन्हें सार्वजनिक सड़कों एवं राजमार्गों पर भी चलाया जा रहा है। इससे सड़क की सतह को गंभीर क्षति पहुंचती है तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे ट्रैक्टरों का सड़क पर संचालन मोटरयान अधिनियम एवं संबंधित नियमों के विपरीत है। जिला परिवहन अधिकारी, बेमेतरा ने जिले के समस्त कृषक भाइयों एवं ट्रैक्टर संचालकों से अपील की है कि खेतों में मिट्टी पलटने एवं जुताई कार्य पूर्ण होने के पश्चात ट्रैक्टर से केज व्हील (पिंजरा पहिया) निकालकर सामान्य टायर लगाकर ही सार्वजनिक सड़कों पर ट्रैक्टर का संचालन करें। इससे सार्वजनिक संपत्ति अर्थात सड़कों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी।उन्होंने कहा कि अपील के बावजूद यदि कोई ट्रैक्टर संचालक केज व्हील लगे ट्रैक्टर का सार्वजनिक सड़कों पर संचालन करते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार एवं विधिसम्मत चालानी कार्रवाई की जाएगी।

के.आर.डी. महाविद्यालय में पद्म विभूषण तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

शासकीय के.आर.डी. महाविद्यालय, नवागढ़ में भारत की सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका एवं पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडेय के नेतृत्व में आयोजित सभा में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। प्राचार्य प्रो. गिरीश कांत पांडेय ने कहा कि तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और संघर्ष के बल पर पंडवानी लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उनका जीवन कला, संस्कृति और समर्पण का प्रेरक उदाहरण रहेगा। इस दौरान उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने तीजन बाई के सांस्कृतिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

केंद्रीय टीम ने पाटन विकासखंड में सघन कुष्ठ जांच और खोज अभियान का किया मुआयना

सेलूद। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सघन कुष्ठ जांच एवं खोज अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन का निरीक्षण करने केंद्रीय टीम ने पाटन विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। 15 जून से 15 जुलाई तक जारी निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अभियान के दौरान घर-घर सर्वेक्षण की गुणवत्ता, संभावित कुष्ठ रोगियों की पहचान, उपचार व्यवस्था तथा ऑनलाइन रिपोर्टिंग प्रणाली का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण दल में केंद्रीय टीम से डॉ. श्वेता साहू मेडिकल ऑफिसर एवं मसीह आरएलटीआई, रायपुर शामिल रहे। उनके साथ जिला कुष्ठ अधिकारी दुर्ग डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डीएलसी भुनेश कोसमा, एनएमए जाकिर खान तथा पाटन विकासखंड से डॉ. बी. कठौतिया बीएमओ, पूनम साहू बीपीएम,चंद्रकांता साहू बीईटीओ एवं बसंत साहू आरएचओ उपस्थित रहे। केंद्रीय टीम ने ग्राम छाटा, गोंड़पेंड्री एवं सेलूद का भ्रमण कर मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे।

कुसमी के नवनियुक्त एल्डरमेनों ने विधायक दीपेश से की सौजन्य भेंट, जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा/बेरला

नगर पंचायत कुसमी के नवनियुक्त एल्डरमेन मोहन जांगड़े, ललिता साव एवं दानी साहू ने पार्षदों व कार्यकर्ताओं के साथ बेमेतरा विधायक से सौजन्य भेंट कर एल्डरमेन नियुक्ति पर उनका आभार व्यक्त किया।

इस दौरान नगर पंचायत के विकास, जनकल्याण एवं आमजन की अपेक्षाओं के अनुरूप पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया गया। विधायक दीपेश साहू ने सभी नवनियुक्त एल्डरमेनों से कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा करना सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि नगर के विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनप्रतिनिधि पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

उन्होंने विश्वास जताया कि सभी एल्डरमैन एवं पार्षद आपसी समन्वय के साथ नगर पंचायत कुसमी को विकास की नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर संतोष साव, गुलशन साहू, देवकुमार साहू, नंदकिशोर साहू, दीपक साहू, देवेंद्र साहू, रमेश साहू, टाकेश्वर साहू, डुनाल साहू, दीपक यादव, मंजू यादव, दिनेश साहू, अशोक साहू, मोहित साहू एवं चंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं 37 आवेदनों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बेमेतरा। जिला कलेक्टोरेट परिसर में साप्ताहिक जनदर्शन का आयोजन किया गया। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं मांगें गंभीरतापूर्वक सुनीं।

जनदर्शन के दौरान प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यकतानुसार दूरभाष पर चर्चा कर एवं उपस्थित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित करते हुए प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कई मामलों में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए आवेदकों को राहत प्रदान की गई। आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 37 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें तात्कालिक महत्व के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया गया, जबकि जांच एवं प्रक्रिया से जुड़े मामलों को समय-सीमा (टीएल) में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसाइकिल, भूमि संबंधी प्रकरण, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

दिनभर की बारिश से नवागढ़ तरबतर, खेत लबालब तो सड़कों और वार्डों पर जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

नवागढ़ सुबह से शुरू हुई बारिश पूरे दिन रुक-रुककर चलती रही। खेतों में पानी भर गया, नदियों-नालों का जलस्तर बढ़ा और नगर की कई सड़कें व गलियां पानी से लबालब हो गईं।

पिछले सप्ताह तक किसान बारिश के इंतजार में थे, लगातार वर्षा ने खेती की तस्वीर बदल दी। कई खेतों में पर्याप्त से अधिक पानी भर गया। ऐसे में जहां नमी की समस्या दूर हुई, वहीं लगातार बारिश के कारण धान की बुवाई का काम भी कई स्थानों पर टल गया। किसानों का कहना है कि खेतों में पानी का स्तर थोड़ा कम होते ही बुवाई तेज गति से शुरू होगी। ट्रैक्टर और कृषि यंत्र कई जगह खेतों तक नहीं पहुंच पाए। किसानों का कहना है कि अब एक-दो दिन मौसम खुल जाए तो बुवाई तेजी से शुरू हो सकेगी। रोशन धर दीवान ने कहा कि जिस पानी का इंतजार था, वह अब भरपूर मिला है। बस अब थोड़ी धूप निकल जाए, ताकि खेत बुवाई लायक हो जाएं। कृष्णा यादव ने कहा, कि लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। अच्छी बात यह है कि नमी की चिंता खत्म हो गई।

चंद्रपाल साहू ने कहा कि खेती में पानी जितना जरूरी है, उतना ही उसका संतुलन भी जरूरी है। उम्मीद है मौसम अब अनुकूल रहेगा।

नगर में खुली जल निकासी की पोल

बारिश ने नगर की व्यवस्थाओं की भी परीक्षा ले ली। मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्र और कई मोहल्लों में जलभराव हो गया। कई नालियां कचरे से जाम होने के कारण पानी सड़कों पर बहता रहा। राहगीरों को घुटनों तक पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ा, जबकि दोपहिया वाहन चालकों को फिसलन का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल पहली अच्छी बारिश के साथ जलभराव की यही तस्वीर सामने आती है। यदि समय रहते नालियों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाए तो ऐसी परेशानी से बचा जा सकता है।

उर्वरक नियमों के उल्लंघन पर महालक्ष्मी कृषि केन्द्र का लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- निरीक्षण में मिली कई गंभीर अनियमितताएं, किसानों के हित में जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

खरीफ सीजन के दौरान किसानों को निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, जमाखोरी, डायवर्सन और नकली उर्वरकों की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिले में उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार जिले में सघन जांच अभियान संचालित है।

इसी क्रम में 30 जून 2026 को उर्वरक निरीक्षक नवागढ़ द्वारा विकासखंड नवागढ़ के ग्राम रनबोड़ स्थित मेसर्स महालक्ष्मी कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 (एफसीओ-1985) के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण में कैश मेमो पर किसानों के हस्ताक्षर नहीं होना, भंडारण एवं विक्रय पंजी का अपूर्ण संधारण, निर्धारित प्रारूप में मासिक जानकारी प्रस्तुत नहीं करना, प्रतिष्ठान में उर्वरकों के स्टॉक एवं विक्रय दर का प्रदर्शन नहीं करना तथा बड़ी संख्या में अन्य जिलों के किसानों को उर्वरक विक्रय किए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके अलावा पीओएस स्टॉक और भौतिक स्टॉक में भी अंतर पाया गया। इन अनियमितताओं के संबंध में प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद उर्वरक निरीक्षक एवं सह प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नवागढ़ श्री राकेश कुमार चतुर्वेदी ने संबंधित उर्वरक प्राधिकार पत्र के निलंबन की अनुशंसा की। अनुशंसा के परीक्षण के बाद प्राधिकृत अधिकारी एवं उप संचालक कृषि, जिला बेमेतरा श्री मोरध्वज डड़सेना ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खंड 31 (ए) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मेसर्स महालक्ष्मी कृषि केन्द्र, ग्राम रनबोड़ का उर्वरक प्राधिकार पत्र क्रमांक एफ2911/2017 को तत्काल प्रभाव से 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है।निलंबन अवधि के दौरान संबंधित प्रतिष्ठान किसी भी प्रकार का उर्वरक भंडारण, विक्रय अथवा उर्वरक व्यवसाय संचालित नहीं कर सकेगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों की सुरक्षा, उर्वरकों की सुचारु उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिले में निरीक्षण एवं जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 15 जुलाई से, 8 दिनों में बनेंगे 6 शुभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि इस वर्ष 15 जुलाई से प्रारंभ होकर 22 जुलाई तक चलेगी। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि के क्षय होने के कारण इस बार गुप्त नवरात्रि नौ दिनों के स्थान पर केवल आठ दिनों की होगी। हालांकि, इस अवधि में बनने वाले छह दुर्लभ एवं शुभ संयोगों के कारण इसका धार्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार साधकों के लिए यह नवरात्रि विशेष फलदायी मानी जा रही है। शहर के मंदिरों के पुजारियों ने बताया कि गुप्त नवरात्रि के दौरान मंदिरों में शतचंडी यज्ञ, विशेष देवी पूजन, प्रतिदिन महाआरती एवं माता रानी का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। प्रत्येक शाम महाआरती के साथ रात्रि में मंत्र-जप, शक्ति साधना और दुर्गा सप्तशती का पाठ भी होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इस बार 17 जुलाई को तृतीया और चतुर्थी तिथि का संयुक्त पूजन किया जाएगा, क्योंकि चतुर्थी तिथि का क्षय हो रहा है। इस कारण नवरात्रि की अवधि आठ दिनों की रहेगी, लेकिन प्रतिपदा से नवमी तक पूजन का क्रम यथावत रहेगा।

■ चतुर्थी तिथि के क्षय से इस बार 9 की बजाय 8 दिन की होगी गुप्त नवरात्रि

मंदिरों में होंगे विशेष अनुष्ठान और शतचंडी यज्ञ

पहले दिन बनेंगे चार दुर्लभ योग

गुप्त नवरात्रि के पहले दिन 15 जुलाई को एक साथ सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, पुष्य नक्षत्र और स्थिर राशि में चंद्रमा जैसे चार अत्यंत शुभ संयोग बनेंगे। इसके अलावा 17 जुलाई को चतुर्थी तिथि का क्षय और 22 जुलाई को भड़ली नवमी (अबूझ मुहूर्त) का संयोग रहेगा। इस प्रकार पूरी नवरात्रि में कुल छह शुभ संयोग बनेंगे। **22 जुलाई को रहेगा अबूझ मुहूर्तः** गुप्त नवरात्रि का समापन 22 जुलाई को भड़ली नवमी के साथ होगा। पंचांग के अनुसार यह दिन अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ सहित सभी मांगलिक कार्य बिना अलग से मुहूर्त निकाले किए जा सकते हैं।

दशमहाविद्या की साधना का विशेष महत्व

गुप्त नवरात्रि में बाहरी उत्सवों की अपेक्षा मानसिक जप, तंत्र-मंत्र एवं आध्यात्मिक साधना को अधिक महत्व दिया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा के दस महाविद्या स्वरूप-काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला-की विशेष आराधना की जाती है। मान्यता है कि इस अवधि में की गई साधना और उपासना से साधकों को विशेष आध्यात्मिक सिद्धि एवं माता की कृपा प्राप्त होती है।

खबर संक्षेप

देवकर में 9 जुलाई को धूमधाम से मनाया जाएगा मां शीतला जुड़वास महोत्सव

देवकर। तहसील मुख्यालय देवकर में 9 जुलाई (गुरुवार) को मां शीतला जुड़वास महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। नगरवासियों के सहयोग से पिछले 20 वर्षों से आयोजित हो रहे इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मां शीतला जुड़वास समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। समिति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे भव्य कलश यात्रा से होगी। इसके बाद 3 स्टार धुमाल नागपुर किंग, मास्टर सतीश निषाद एवं श्री दुलेराय अघोरी ग्रुप अंजोरा (दुर्ग) द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं जय मां शीतला सांग-बाना ग्रुप देवकर के पंडा बिरेंद्र धुवे भी अपनी प्रस्तुति देंगे। सुबह 10 बजे पंडित होरीलाल पांडेय के सान्निध्य में हवन-पूजन संपन्न होगा। दोपहर 3 बजे से सेवा भजन मंडली, नगर देवकर द्वारा भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद शाम 4 बजे महाभंडारा एवं प्रसादी वितरण होगा। संध्या 6 बजे से मां विंध्यवासिनी बालिका परिवार जस ग्रुप, बोड़रा-धनेली (जिला बालोद) द्वारा जसगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। समिति सदस्य दिनेश साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में शीतला जुड़वास पर्व स्वास्थ्य, प्रकृति और मौसम परिवर्तन से जुड़ी प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। भीषण गर्मी के बाद मानसून के आगमन के समय मनाए जाने वाले इस पर्व में माता शीतला से चेचक सहित मौसमी एवं संक्रामक रोगों से रक्षा की प्रार्थना की जाती है। इस अवसर पर नीम की पत्तियों का उपयोग कर वातावरण को शुद्ध करने की परंपरा भी निभाई जाती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि नगर की एकता, समर्पण और सामूहिक सुख-समृद्धि का संदेश भी देता है। आयोजन को सफल बनाने में मां शीतला जुड़वास समिति के पदाधिकारी एवं समस्त नगरवासी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। इसकी जानकारी समिति सदस्य अजय सपहा ने दी।

थानखम्हरिया में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा ने लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानखम्हरिया

भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं अखंड भारत के प्रबल समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती नगर पंचायत थानखम्हरिया के सभागार में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, एल्डरमैनों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्र सेवा, शिक्षा और अखंड भारत के प्रति उनके योगदान को याद किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

■ अखंड भारत के विचारों को बताया प्रेरणास्रोत

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता चंदन अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित किया। उनके विचार और आदर्श आज भी देश के युवाओं एवं समाज को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। एल्डरमैन अनिल सिंघानिया ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्र सेवा और समाज कल्याण का आदर्श उदाहरण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने और जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला महामंत्री राजेश ठाकुर ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। वहीं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेश सिंघानिया एवं विधायक प्रतिनिधि चंदन अग्रवाल ने कहा कि /"एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे/" केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के प्रति उनके अडिग संकल्प का प्रतीक था।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। मंडल महामंत्री घनश्याम राजपूत ने कहा कि देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक चेतना की रक्षा के लिए डॉ. मुखर्जी का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

ये रहे उपस्थित कार्यक्रम का संचालन घनश्याम सिंह राजपूत ने किया तथा आभार प्रदर्शन चंद्रशेखर राजपूत ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष केशल पटेल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष शरद कुम्भकार, टिकम अग्रवाल, मनीष रात्रे, पुरुषोत्तम सिंघानिया, पार्षद ऋषि तिवारी, सूरजपाल, रोहित राजपूत, बलराम निषाद, मुन्ना सिंघानिया, विनोद यादव, मनीष सेन, रेखा शर्मा, घसिया निषाद, रामसनेही नामदेव, रामदुलार पाल, संतोष साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

8 जुलाई से शुरू होगी हाईस्कूल-हायर सेकंडरी द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय/मुख्य अवसर परीक्षा 2026 का आयोजन 8 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक किया जाएगा।

■ गोपनीय सामग्री कड़ी सुरक्षा में परीक्षा केंद्रों को रवाना
■ पुलिस अभिरक्षा में सीलबंद पेटियों का वितरण, 22 जुलाई

परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सोमवार को समन्वय संस्था शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा से संबंधित परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्षों को गोपनीय परीक्षा सामग्री वितरित की गई। गोपनीय सामग्री सीलबंद पेटियों में कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच बसों के माध्यम से संबंधित थानों तक भेजी गई, जहां उन्हें सुरक्षित रखा गया है। परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित होगी। गोपनीय सामग्री वितरण के दौरान अपर कलेक्टर एवं परीक्षा नोडल अधिकारी गुड्डू लाल जगत, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, सहायक संचालक एस.पी. कोशले, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मनमोहन लाल अग्रवाल, चितरेखा ठाकुर, राजेंद्र कुमार साहू तथा माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के प्रतिनिधि योगेश प्रसाद कश्यप, सहायक सचिव अनूप सिंह, मनोज सोंधिया एवं कार्यालय सहायक वितरण दल अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वितरण कार्य को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने में जिला शिक्षा कार्यालय के परीक्षा कक्ष प्रभारी चेतन दास बंजारे एवं जितेंद्र प्रकाश गोयल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिले में लगातार बारिश से बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित प्रज्ञा निर्वाणी, कलेक्टर को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतर

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने छोटे बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है,उन्होंने जलभराव एवं आवागमन प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का तत्काल सर्वे कर परिस्थितिनुसार अवकाश घोषित करने की मांग की है। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि जिले के कई क्षेत्रों में लगातार बारिश से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है तथा छोटे-छोटे बच्चों को भीगते हुए विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है,ऐसे हालात में दुर्घटना, मौसमी संक्रमण और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है,उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि जिला शिक्षा अधिकारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से ऐसे विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का चिन्हांकन कराया जाए, जहां जलभराव, क्षतिग्रस्त मार्ग या अन्य प्राकृतिक कारणों से बच्चों का विद्यालय पहुंचना जोखिमपूर्ण हो गया है,ऐसे संस्थानों में भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर अस्थायी अवकाश घोषित किया जाना चाहिए।

■ जलभराव वाले स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश की मांग

प्रज्ञा निर्वाणी ने महिला शिक्षिकाओं और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले शिक्षकों की समस्याओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जलमग्न सड़कों और फिसलन के कारण विशेषकर दोपहिया वाहन से आने-जाने वालों के सामने दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है,प्रशासन को विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समय रहते आवश्यक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि "बारिश रुकने का इंतजार करने के बजाय संभावित खतरे को रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है,यदि एक भी बच्चे के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो उसकी भरपाई संभव नहीं है।

पहली बार विशाल आकार में दिखाई दे रहा शहर का जलाशय

साजा। लगातार बारिश के बाद साजा का जलाशय वर्षों बाद पूरी तरह लबालब भर गया है। जलाशय का मनमोहक दृश्य देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने इसे जल संरक्षण के लिए चलाए गए जलाशय बचाओ अभियान की सकारात्मक उपलब्धि बताते हुए अभियान की सराहना की। लोगों ने कहा कि जलाशय का भरना क्षेत्र के लिए सुखद संकेत है। विदित हो कि इस जलाशय पर वर्षों तक अवैध कब्जा रहा है। प्रशासन ने अवैध कब्जा हटाने कार्रवाई की, जहां अब यह जलाशय पहली बार विशाल आकार रूप में दूर-दूर से दिखाई दे रहा है।

मानसून में थमी निर्माण गतिविधियां

सीमेंट-सरिया और रेत के बढ़े दामों ने बिगाड़ा लोगों का बजट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

मानसून के आगमन के साथ जिले में भवन निर्माण गतिविधियां हर साल की तरह इस बार भी धीमी पड़ गई हैं, लेकिन इस वर्ष निर्माण सामग्री की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों और बिल्डरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण जहां निर्माण कार्यों की रफ्तार करीब 40 से 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, वहीं सीमेंट, सरिया और रेत के दामों में आई भारी तेजी ने नए मकान का सपना देख रहे लोगों का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। महंगी निर्माण सामग्री के चलते कई लोगों ने अपने मकान का निर्माण कार्य फिलहाल रोक दिया है। सबसे अधिक बढ़ोतरी रेत की कीमतों में देखने को मिल रही है। एक महीने पहले तक 600 फीट रेत 10 से 11 हजार रुपये में उपलब्ध थी, जिसकी कीमत अब बढ़कर 19 से 21 हजार रुपये तक पहुंच गई है। वहीं मीडियम और बारीक रेत 25 हजार रुपये तक बिक रही है।

सीमेंट के दाम भी लगातार ऊपर जा रहे हैं: पिछले वर्ष बारिश के मौसम में 260 से 280 रुपये प्रति बोरी मिलने वाली सीमेंट अब 300 रुपये तक पहुंच गई है, दूसरी ओर सरिया की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। **मजदूरी भी बढ़ी, ठेके पर निर्माण हुआ महंगा:** निर्माण सामग्री के साथ-साथ मजदूरी की लागत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दैनिक मजदूरी के बजाय अब अधिकांश लोग ठेके पर निर्माण कार्य कराना पसंद कर रहे हैं। निर्माण सामग्री की लगातार बढ़ती कीमतों का सीधा असर जिले में भवन निर्माण गतिविधियों पर दिखाई दे रहा है। कई लोगों ने नए मकान का निर्माण फिलहाल टाल दिया है।

निर्माण व्यवसायियों का कहना है: निर्माण क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों के अनुसार, बारिश के मौसम में हर वर्ष निर्माण कार्य स्वाभाविक रूप से 40 से 50 प्रतिशत तक कम हो जाते हैं, लेकिन इस बार स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण है। उनका कहना है कि सबसे अधिक असर रेत की कीमतों ने डाला है। सीमेंट और सरिया भी लगातार महंगे हो रहे हैं, जिससे मकान निर्माण की कुल लागत तेजी से बढ़ रही है। व्यवसायियों का मानना है कि जब तक निर्माण सामग्री की कीमतों पर नियंत्रण नहीं होगा, तब तक आम लोगों के लिए घर बनाना और अधिक कठिन होता जाएगा।